18.4° अधिकतम | 6.3° न्यूनतम | सूर्योदयः 07:14 सूर्यास्तः 17:52

अपना हक मिलने तक हौसला नहीं हारे 77 साल के बुजुर्ग

नई दिल्ली | प्रभात कुमार

सेवानिवृत्ति के बाद वर्षों के अदालती कामकाज के बोझ से छुटकारा मिलने के बाद दलजीत सिंह की जिंदगी आराम से गुजर रही थी, लेकिन समय के साथ उन्हें बीमारियों ने परेशान करना शुरू कर दिया। बीमारी से जब छुटकारा मिला तो उस पर आए खर्च की रकम पाने के लिए उन्हें सरकारी सिस्टम ने परेशान किया। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और लगभग एक दशक के संघर्ष के बाद हाईकोर्ट ने 77 वर्षीय बुजुर्ग के हक में फैसला सुनाया है।

जस्टिस वाल्मिकी जे. मेहता ने अपने फैसले में कहा है कि सरकार ने समय के साथ अपने मेडिकल एटेंडेंट रूल एवं इलाज के पैकेज में संशोधन नहीं किया है। इसका खामियाजा वर्तमान व पूर्व कर्मचारियों को भुगतने नहीं दिया जाएगा। हाईकोर्ट ने दलजीत सिंह की याचिका का निपटारा करते हुए कहा है कि दिल्ली सरकार को उनके इलाज पर आए सभी खर्चे का भुगतान करना होगा।

दरअसल, जिला अदालत में वर्षों की सेवा के बाद दलजीत सिंह वर्ष 1995 में सेवानिवृत्त हो गए। इसके कुछ साल बाद उन्हें बीमारियों ने परेशान करना शुरू कर दिया। वर्ष 2002 में डॉक्टरों ने दिल की बीमारी बताकर ऑपरेशन कराने को कहा। जिला जज की पूर्व अनुमति लेकर दलजीत सिंह ने एस्कॉर्ट हार्ट इंस्टीट्यूट में अपना ऑपरेशन कराया। इलाज पर दो लाख रुपये से अधिक का खर्च आया, लेकिन सरकार ने पूरा खर्च देने से इनकार करते हुए महज एक लाख रुपये का ही भुगतान किया।

इलाज पर हुए खर्च की पूरी रकम पाने के लिए दलजीत सिंह वर्षों तक सरकारी दफ्तर के चक्कर काटते रहे फिर अंत में वर्ष 2006 में हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। लगभग छह साल की लंबी सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार को आठ सप्ताह में इलाज पर हुए खर्च की पूरी रकम का भुगतान करने का निर्देश दिया है। साथ ही अन्य रकम पर याचिका दाखिल करने के समय से 8 फीसदी ब्याज देने का निर्देश दिया है।

इनसे सीखें

जीती जंग

- वर्ष 2002 में सेवानिवृत्त अधिकारी का इलाज पर दो लाख रुपये से अधिक का खर्च आया, लेकिन, सरकार ने किया महज एक लाख रुपये का ही भुगतान
- हाईकोर्ट ने कहा, इलाज का पूरा खर्च देना होगा सरकार को

केंद्र को जारी करना पड़ा था सर्कुलर

सीजीएचएस पैनल में शामिल निजी अस्पतालों द्वारा कार्ड धारकों से दवाई और उपकरण खरीदकर बाहर से लाने या इसके पैसा वसूले जाने की शिकायतों को देखते हुए केंद्र सरकार ने पिछले साल अक्टूबर में एक सर्कुलर जारी किया। जिसमें कहा गया कि सीजीएचएस कार्ड धारक को इलाज के लिए दवा या कोई उपकरण खरीदकर नहीं लाना होगा। साथ ही पैकेज भी तय किया गया था।

पैकेज में सुविधाएं

हॉस्पिटल में पंजीकरण, दाखिला शुल्क, मरीज के रहने व खाने का खर्च, शल्य चिकित्सा शुल्क, सुई, ड्रेसिंग, डॉक्टर/ बाहर से आने वाले डॉक्टर का खर्च,आईसीयू/आईसीसीयू, ऑपरेशन थियेटर, ऑपरेशन फीस, दवाई की कीमत व अन्य। इसके अतिरिक्त भी अंग बदलने, स्टेंट व ग्राफ्ट लगाने का खर्च भी सीजीएचएस कार्ड धारक को मिलेगा।

कितने दिनों का है पैकेज

12 दिन सुपर स्पेशलाइज्ड इलाज, 7 दिन गहन व 3 दिन समान्य ऑपरेशन, 1 दिन ओपीडी

उठाना पड़ता है यह खर्च

टेलीफोन, स्नेटरी नैपकिन, टैलकम पाउडर और माउथ फ्रेशनर का खर्च।

संक्षेप

दुष्कर्म के आरोप में सात साल की कैद

नई दिल्ली। फास्ट ट्रैक कोर्ट ने दुष्कर्म के आरोप में 55 साल के व्यक्ति को सात साल कैद की सजा सुनाई है। आरोपी इरशाद पर 10 हजार 500 रुपये का आर्थिक दंड भी लगाया है। आरोपी पर पड़ोसी की पत्नी से दुष्कर्म का आरोप है। एडिशनल सेशन जज टी.आर. नवल ने कहा, वैज्ञानिक एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्यों से यह साबित होता है कि मूल रूप से उत्तर प्रदेश निवासी इरशाद ने पीड़िता से जबरन दुष्कर्म किया है। पुलिस ने इरशाद को छह जनवरी 2012 को पकड़ा था।

दोस्तों ने ही ली थी युवक की जान

नई दिल्ली। कापसहेड़ा में मिले शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझाने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार मृतक रमेश के दोस्तों ने उसकी चाकू मारकर हत्या की थी क्योंकि एक आरोपी की प्रेमिका के साथ उसकी दोस्ती थी। पुलिस ने दो आरोपियों पुष्पेंद्र और चंदन को पकड़ लिया है, लेकिन वारदात का अहम आरोपी राजकिशोर अभी फरार है। ज्ञात हो 11 जनवरी को पुलिस को कापसहेड़ा के एक प्लॉट में एक युवक शव मिला था।

अपने शहर में

- **कार्यक्रमः** पंडित हजारी प्रसाद चौरसिया का बांसुरी वादन, हिंदू कॉलेज, डीयू, शाम 5.30 बजे।
- **प्रदर्शनः** 'द फाउंडेशन ऑफ वेस्टर्न सिबलाइजेशन' की वीडियो प्रस्तुति, रीगल बिल्डिंग, शाम 6.30 बजे।
- **प्रदर्शनीः** सीमा सिंह दुआ की मूर्तिकला की प्रदर्शनी, ललित कला अकादमी, प्रातः 11 बजे।
- **सम्मेलनः** सीएसआर व अक्षय विकास पर सम्मेलन, इंडिया हैबीटेट सेंटर, शाम 7 बजे।
- **चित्र प्रदर्शनी**, ऑल इंडिया फाइन ऑर्ट सोसायटी, रफी मार्ग, प्रातः 11 बजे।

डीडीए ने अर्बन एक्सटेंशन रोड-3 का टेंडर किया जारी

राहत देने वाली एक और सड़क का काम अप्रैल से

नई दिल्ली | निशांत राघव

लंबी मशक्कत के बाद डीडीए ने अर्बन एक्सटेंशन रोड-3 निर्माण के टेंडर जारी कर दिया है। राहत देने वाली इस सड़क के पूरा होने पर एयरपोर्ट की ओर जाने वाले मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव कम हो जाएगा। सड़क का निर्माण कार्य अप्रैल से शुरू होगा। वर्ष 2015 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। सड़क बनाने के लिए हरी झंडी दिए जाने से पूर्व इसका हेलीकाप्टर से भी सर्वे किया गया। अर्बन एक्सटेंशन रोड-1 और 2 का काम पहले से चल रहा है।

वजीराबाद बाइपास से एनएच-8, एनएच-2 व 10 को जोड़ने वाली इस सड़क के निर्माण से पूर्व तीन बार सर्वे भी किया गया है। साथ ही नक्शे में भी बदलाव करना पड़ा है क्योंकि लगभग 21 किलोमीटर लंबी इस सड़क के कुछ हिस्से में आबादी भी आ रही थी। इसको लेकर भी डीडीए योजना तैयार कर रहा है। डीडीए के अधिकारी के मुताबिक राजधानी की सड़कों को सिर्फ दूसरे इलाके में जाने के लिए इस्तेमाल करने वाले वाहनों को बाहर से ही रास्ता देने के इरादे से अर्बन एक्सटेंशन रोड की योजना पर कार्य शुरू किया गया है। इस कड़ी में अर्बन एक्सटेंशन रोड-1 व 2 पर पहले से ही काम शुरू हो चुका है।

अर्बन एक्सटेंशन रोड-3 में विभिन्न कारणों से काम अब तक आरंभ नहीं किया गया था। सर्वे के बाद इसके लिए भी हरी झंडी दे दी गई है। अप्रैल से इस रोड को बनाने का कार्य भी शुरू होगा। करीब 80 मीटर चौड़ी यह सड़क 2015 तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तैयार होने से करीब 35 से 40 हजार वाहन प्रति दिन राजधानी के भीतर आए बिना अन्य इलाकों में जा सकेंगे।

तीन राष्ट्रीय राजमार्ग को वजीराबाद से जोड़ने की इस योजना के जरिये दिल्ली में बेवजह घुसने वाले भारी वाहनों को आंतरिक सड़कों पर आने से रोकने में मदद मिलेगी। साथ ही लोग और सुगमता से अपनी मंजिल तक पहुंच सकेंगे। करीब 150 किलोमीटर तक तीन चरणों में इन सड़कों का निर्माण 2015 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

एनएच-2 और 8 को जोड़ेगा अर्बन एक्सटेंशन रोड-3

अर्बन एक्सटेंशन रोड-1

यह सड़क करीब 57.24 किलोमीटर लंबी और 80 मीटर चौड़ी होगी। वजीराबाद बाइपास से राष्ट्रीय राजमार्ग एक, आठ व दस को जोड़ेगी। इससे नरेला, बवाना, टीकरी कलां, मितराऊ बिजवासन व रजोकरी तथा इसके आसपास के लोगों के लिए फायदा रहेगा।

अर्बन एक्सटेंशन रोड-2

यह लगभग 73.7 किलोमीटर लंबी और 100 मीटर चौड़ी होगी। यह सड़क भी वजीराबाद बाइपास से राष्ट्रीय राजमार्ग 2,8 व दस को जोड़ेगी। इसके तैयार होने से नजफगढ़, छावला, मुंडका, बक्करवाला व दवरिया से राष्ट्रीय राजमार्ग–8 और शिवमूर्ति से होते हुए बदरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग–2 जुड़ जाएंगे।

लीला ग्रुप ऑफ होटल को आतंकी हमले की धमकी

नई दिल्ली | वरिष्ठ संवाददाता

आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) के नाम पर लीला ग्रुप ऑफ होटल को धमकी भरा मेल आया है। मेल में 26/ 11 की तरह होटल में बड़ी वारदात करने की दी धमकी दी गई है। मेल आने के बाद से ही होटल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और मामले की जांच दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को सौंप दी गई है। सेल के स्पेशल कमिश्नर एस.एन. श्रीवास्तव का कहना है कि हम मामले की जांच कर रहे हैं।

धमकी भरा मेल होटल के हेडक्वॉटर गुडगांव में भेजा गया था। मेल आते ही मामले की जांच गुड़गांव के स्थानीय पुलिस को दी गई। साथ ही इस मेल को लीला होटल की दिल्ली शाखा को भी भेजा गया। इसके बाद दिल्ली की शाखा ने दिल्ली पुलिस से संपर्क किया।

मामले की जानकारी मिलते ही पूरे इस ग्रुप के अलग-अलग शहरों में स्थित होटलों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। होटल के आसपास के इलाकों पर भी सुरक्षा कर्मियों ने अपनी पैनी नजर गड़ा रखी है।

हालांकि मामले की जांच में जुटी पुलिस अभी किसी भी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी हुई है कि यह धमकी भरा मेल आखिरकार कहां से आया है। यह पूछे जाने पर कि किसी ने धमकी भरे मेल के जरिये शरारत तो नहीं कर दी है, तो स्पेशल सेल के आला अधिकारी का जवाब था कि यह जांच का विषय है, लेकिन हम इस तरह के मेल को हल्के में नहीं ले सकते हैं। हमारी टीम मामले की जांच में जुटी हुई है।

नापाक हरकत

- आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) के नाम पर होटल को मिला है धमकी भरा मेल
- मेल की जांच में जुटा स्पेशल सेल होटल में बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था

लॉटरी के नाम पर ठगने वाला नाइजीरियन गिरफ्तार

नई दिल्ली | वरिष्ठ संवाददाता

पुलिस ने एक ऐसे नाइजीरियन को गिरफ्तार किया है, जिसने लॉटरी निकलने के नाम पर एक महिला को करीब 22 लाख रुपये का चूना लगाया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 36 वर्षीय फ्रैंकलिन इड्यूमो के रूप में हुई है।

वह आरबीआई की लॉटरी निकलने के नाम पर मैसेज भेज लोगों को जाल में फंसाता था। लोगों के संपर्क करने के बाद वह कोई बहाना बनाता और कहता कि रकम तभी मिल पाएगी, जब वह बतौर सिक्योरिटी कुछ रकम जमा कराएंगे।

इस तरह से वह जाल में फंसा कर जब एक बार रकम ले लेता तो उसे बार-बार रकम का लालच देकर उससे और रकम वसूलने में जुट जाता था। रोहिणी निवासी पीड़ित महिला से भी उसने इसी तरह से करीब 22 लाख रुपये की ठगी की थी।

पुलिस अभी मामले की जांच में जुटी ही थी कि महिला के पास फोन आया कि आरबीआई का एक प्रतिनिधि उनके पास रकम की एक किश्त लेकर आने वाला है। आरोपी जैसे ही महिला के घर पहुंचा पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया, जिसके बाद इस फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ।

लोगों को दिक्कत दिए बिना बनेगा डाबड़ी सबवे

नई दिल्ली | प्रमुख संवाददाता

मेट्रो के जनकपुरी-बोटेनिकल गार्डन कोरीडोर के बीच सबवे बनाने के दौरान लोगों को परेशानी नहीं होगी। पहली बार डीएमआरसी ने सबवे के निर्माण के लिए बॉक्स पुशिंग तकनीक को अपनाया है। तीसरे चरण में पंखा रोड, डाबड़ी मोड़ मेट्रो स्टेशन और प्रस्तावित मेट्रो कॉरिडोर को जोड़ने के लिए यह सब-वे बनाया जाएगा।

बताया जाता है कि वर्ष 2016 में जनकपुरी से बोटेनिकल गार्डन लाइन आरंभ होने पर लगभग 20 हजार यात्री इसका इस्तेमाल कर सकेंगे। डीएमआरसी के अनुसार पंखा रोड पर पहले से बन रहे फ्लाईओवर की वजह से सुबह-शाम के वक्त यातायात जाम की समस्या का लोगों को सामना करना पड़ता है। ऐसे में यदि सबवे के निर्माण से फ्लाईओवर का कार्य रुकता अथवा प्रभावित होता तो लोगों के लिए और समस्या बढ़ सकती थी। इसे देखते हुए बॉक्स पुशिंग तकनीक पर सबवे बनाया जाएगा, जिससे फ्लाइओवर का भी काम प्रभावित नहीं होगा। सब-वे को सड़क के नीचे करीब 9.77 मीटर की गहराई में बनाया जाएगा, जिसमें यह तकनीक बेहद कारगर साबित होने का दावा किया गया है। यह सबवे पंखा रोड पर मौजूद ड्रेन के ठीक नीचे से गुजरेगा और मेट्रो की टनल सड़क के स्तर से 17.05 मीटर की गहराई पर सब-वे के नीचे बनाई जाएगी।

डीएमआरसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अनुज दयाल के अनुसार सबवे सागरपुर, दिल्ली कैंटोनमेंट व पंखा रोड के बाईं और डाबड़ी मोड़ सर्किल के ठीक पहले बनाया जाएगा। 75 मीटर लंबाई और 7 मीटर चौड़े सब-वे से होकर डाबड़ी मोड़ स्टेशन में पंखा रोड के दोनों ओर से प्रवेश किया जा सकेगा। डाबड़ी मोड़ मेट्रो स्टेशन का निर्माण जनकपुरी सी 2 के समीप किया जाएगा।

निर्माण में होगा बॉक्स पुशिंग तकनीक का इस्तेमाल

सड़क के स्तर से 9.77 मीटर की गहराई में इस सब–वे के निर्माण में 'बॉक्स पुशिंग' नामक नई तकनीक अपनाई जाएगी। इस तकनीक में खड़ी खुदाई या बड़े पैमाने पर खुदाई की जरूरत नहीं होती है। बल्कि आरसीसी (सीमेंट कंक्रीट) के बॉक्स को खंडों में इस्तेमाल किया जाता है। इन्हें तैयार करने के बाद टनल बनाने के लिए सड़क के नीचे डाला जाता है। इससे व्यस्त सड़क के यातायात में कोई रुकावट नहीं आती। आम तौर पर इतने गहरे सब–वे के निर्माण में बड़े पैमाने पर खुदाई की जरूरत होती है। इससे मार्ग परिवर्तन जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। लेकिन बॉक्स पुशिंग में यह समस्या नहीं आती है। बल्कि निर्धारित स्थल पर खोदने के बाद बॉक्स को जगह के अनुरूप जोड़ दिया जाता है।

एयरपोर्ट के पास मिला शवः एयरपोर्ट के पास मेहराम नगर में संदिग्ध हालात में एक युवक का शव बरामद हुआ है। शव की शिनाख्त कुलदीप के रूप में हुई है, जो कई मामलों में आरोपी है। पुलिस को रविवार सुबह करीब 7 बजे सूचना मिली थी कि मेहराम नगर में एक नाले के पास एक शव पड़ा हुआ है। **(व.सं.)**

नामधारी का बयान लेने तिहाड़ आएगी कनखल पुलिस

नई दिल्ली/हरिद्वार। करोड़ों की निर्मल विरक्त कुटिया पर कब्जे के मामले में नामजद उत्तराखंड अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष सुखदेव सिंह नामधारी के बयान लेने कनखल पुलिस दिल्ली की तिहाड़ जेल आएगी। बहुचर्चित चड्ढा बंधु हत्याकांड का आरोपी नामधारी इन दिनों जेल में बंद है। वर्ष 2009 में बेशकीमती निर्मल विरक्त कुटिया को फर्जी दस्तावेजों के बूते कब्जाने के मामले की फाइल एक बार फिर खोल दी गई है। केस की जांच कर रहे थानाध्यक्ष कनखल प्रदीप बिष्ट के नेतृत्व में एक टीम जल्द ही तिहाड में नामधारी के बयान दर्ज करने आएगी। **(ह.सं.)**

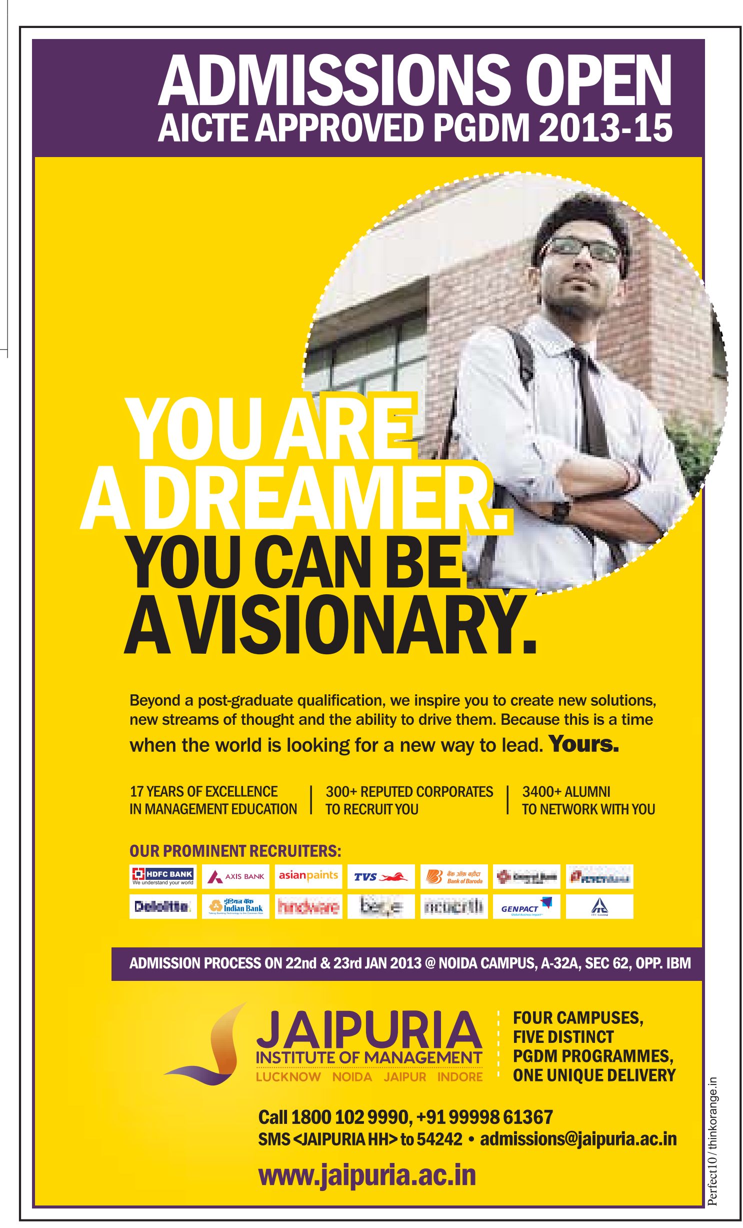

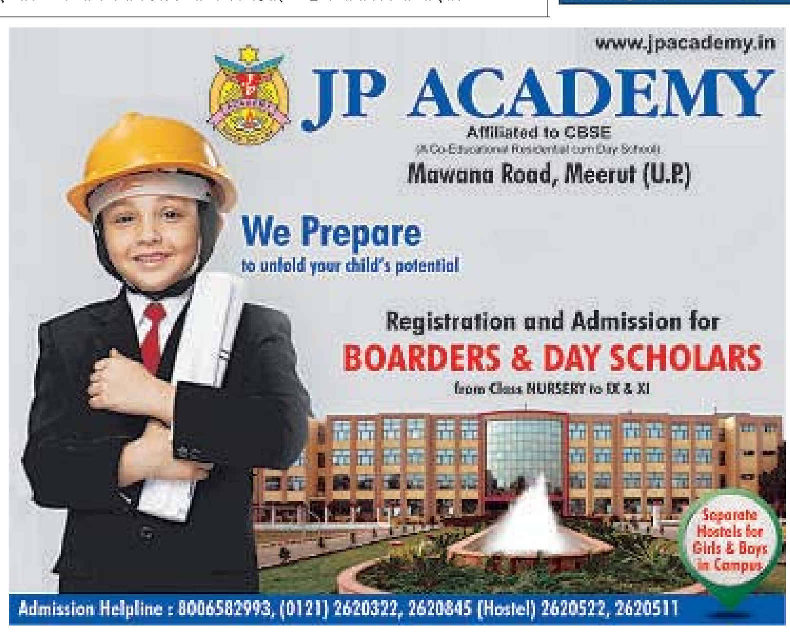

Printed and distributed by NewspaperDirect
www.newspaperdirect.com US/Can: 1.877.980.4040 Intern.: 800.6364.6364
COPYRIGHT AND PROTECTED BY APPLICABLE LAW